नाम :
1. श्री गोरख बाबू वल्द स्व० श्री मोती लाल – प्रथम पक्ष ——
2. श्री आनन्दी प्रसाद वल्द स्वश्री मोती लाल – द्वितीय पक्ष ——
3. श्री अनुप बाबू प्रसाद वल्द स्व० श्री मोती लाल – तृतीय पक्ष ——
4. श्री राम शेवक प्रसाद वल्द स्व० श्री मोती लाल – चतुर्थ पक्ष –
5. मो० सुमन्ता देवी जौजे स्व० श्री वास देव प्रसाद – पंचम पक्ष
साकिनान – दानापुर गंजाम (थाना हाल मोकाम – जानकी प्यारी लाल रोड थाना वो डा० दानापुर – जिला – पटना / भारतीय नागरिक)

शुद्धि ता० २७/१/८५

मौ० सुमन्ता देवी स्व० जगदम्बा प्रसाद दानापुर
घ० दानापुर पत्थर कागजी मूल्य २ रु० वास्ते
बयनामे के बेचा।

१+१ = २/रु०

मैं दस्तखत
दागाई ८

2



2 नाम मरुण्य पारी : आपस में एक दूसरे के पक्ष में

3 मरुण्य प्रकार : पटवारनामा

4 मूल्य मो०

5 संक्षिप्त विवरण : जमीमा० 9

यह जाप दाद श्री गोरख बापू को अपने भाइयो से बट कर मिला वो अपना दखल कब्जा प्राप्त किया। इस जाप दाद से द्वितीय पक्ष, तृतीय पक्ष, चतुर्थ पक्ष, वो पंचम पक्ष की कोई दिमाका वो सरोकार बाकी नही है न रहा न होगा। यह जमीन निश्चित सीमित मौजा मे है कि जिसका अंचला धिकारी दौसा को पटना सदर मे पड़ता है

उ इ ठ ढ त थ द ध न प फ ब भ म य र ल व श ष स ह क्ष त्र ज्ञ

मोट सुमन्ता देवी

महेश्वर

मौजा	मौजी	भाग	खाता	खेवसरा	एराजी
नासरी		- 9C -	96	292	29 9/2 डी
गेज			५६	293	
पिपलकण्ड पुर				3६	
दीघा पुर		- 99/202 - 29 -		832 834	38 9/2 डी
शाहजादपुर		11 - 11 -		~~934~~ 934	935 डी
दीघा		- ५930 - 9 -	५32	3283	9311 डी
दागपुर शाहजादपुर		- 99/202 - 29 -			

क०	पुट
99 -	90

गाभा क० डी० 9.85 डी — चौहद्दी

उ० द० पु० प०

खाता	पलौट
	384
	3845
	3846
	3842
	3847

p०	ि०
66	9/2

क०	क० - पुट
9 -	8 - 92

उ० द० पु० प०

1 दिया का मकान नौजी खाता पलौट - बाग
2930 425 4092 1

2. खाई - होलडिंग 5
1 82 90-45

3 ६ - मकान - 925
1

आनंदी - रामदेव - धनराज - गंडा
मकान की - मकान - महतो
अपघाट - जमीन 2

यह जायदाद पार्टी 2 की आनंदी प्रसाद को अपने भाई के हक में विभाजन में अपना हक पहला दर्शित किया है कब्जा प्राप्त किया/इस जायदाद से प्रथम पक्ष, द्वितीय पक्ष चतुर्थ पक्ष तृतीय पक्ष का कोई दावा या सरोकार बाकी नहीं है नहीं होगा

दिया बाग नौजी- खाता - पलौट- 5
2930 432 3283 - 93 1/2 5

दागाइ शाहदाद में
बाग - नौजी - खाता - पलौट - 5
29 99 492 24 5
299 429
जाग 2 5 432 - 90 5
ग. 84

५

कै० फुट फुरसत
११ - १० - १०

फलौट चौहद्दी
४१८ -
४२१

उ० द० पु० प०

४३५ -

जमा एक डी १.५८२ डी

खाता फलौट ए० डी
३२३ ०.५५ डी
३२४ पट्टी कै० फुट
१ - ४ - १२११०

उ० द० पु० प०

१ महाल पट्टी होल्डींग डि०
१ — ६ — १२६ / १२२ ०.५ डी
१ - ६ - ४८ - १० डी
१ - ६ - ६ - १५ डी

जमीमा न० ३

यह जायदाद मालिक न० ३ श्री अनुप लाल को अपने भाइयों से बट कर मिला है अथवा दरयाम कब्जा प्राप्त किया इस जायदाद के पूर्वपक्ष, तृतीयपक्ष, चतुर्थ पक्ष व पंचम पक्ष को कोई लेनाका वा सरोकार बाकी नहीं है व नहीं होगा।

खाता	तौजी	खोता	पलौट	
७	२७३०	२३२	३२४३	९३ ७/२ ही

(दीपा)

खाता	तौजी	खोता	पलौट	
२७	९७		४३४	३६ ७/२
दागाङ्कित शाहजोधपुर	२०२			
जमा	६ ही		क०	फु०
	७-४२		७७-	९३-

३०	४०	५०	६०	

जमा	खोता	पलौट	
७.४२ ७/२		३२३-	७ ही
		३२४-	७ फु०
			९-४-९२ ही

३०	४०	५०	६०

१-	दीपा	खाई	महाल	७	७०६
२-					
३-					

७०६	७	७०७	८
		४२-	९०

(७) ७- ९ → ३ - ९४ ही

९ ← ६ ← ३

जमीन ७ ४

यह ओप दाप फार्म ७ ४ को भी राम हेतु भगाए को अपने आधीन है घर से लिया दो आपना दस्तखत हस्ताक्षर दो प्राप्त किया कि जमीन से पुराना पक्ष, अंतिम पक्ष, तृतीय पक्ष, पंचम पक्ष को कोई लेनदेन दो सबंध का रखना पर पर बाकी नहीं रहा न होगा

दिया आना तौली - खाना पलोट - कि०
४७३० ४३८ ३८४३ ९३½

आना तौली खाना पलोट ₹ ऽ
२१ ९१ ४३८ ३८½ऽ
दागाई ८०८ ४३८
शाहजादा ४३८
आना ₹० ऽ०
१-४८-

कि० पु८
१९ — १०

खाना पलोट ₹० ऽ०
३८५
३८६ — २३½
३८७
३८८
३८५

पक्ष० कि० पु८
१ - ८ - १२

१. वादी – दोलड़िया महाम प्लॉट मकान कि॰
ई ई ग ई ९५ कि॰
७– ४२– ७– ४२– १०५

जवाब॰ ५

यह जवाबदावा पत्रांक ५ को मि॰ सुभाती देवी की ओर से दावा की अपना एक दिवानी की दरखास्त कोर्ट में दर्ज पाया। अतः इस जवाबदावे के मुख्तलिफ पक्ष, द्वितीय पक्ष, तृतीय पक्ष, की पत्रांक की कोई टिप्पणी की सही का अभी नहीं है न रहा न होगी।

दावाकृत शाह्यकी
धाना वादी दावा– प्लॉट– ₹० ₹० ४५ कि॰
२७ ७७ ७०२ ६३५ ४५३

उ द ए
जगन्नाथप्रसाद– बलराम – रामस्वरूप– सड़क
सिंह पंडित मल्ली

दावाकृत शाह्यकी
धाना ७७ – ७२२ – १०१७ – ६५½ कि॰
२७ ७०२

२७ – ७७ – ६४२ – ७२०७ – ४६ कि॰ ✗
७०२ ७७ कि॰ ✗
६८२ – ४४ – २३

दीपा महाल

बसना	मौत्री	खाता	पलौट	5ft
ए	वी	2930	232	3283

$93\frac{1}{2}$ 5ft

बाई	हाल्डिंग	मदाम	5ft
ई	वी	वी	9V 5ft

9 - ∫2 - 930 वी 9 - $27\frac{1}{2}$ 5ft

मजमुन

पेशगत है कि खाता संख्या 2 में दर्ज हमारी मकान की जमीन अरक्षकारी गया कि मौखसी की खानदानी तकसीम है 9 जिस अरक्षकारी गया का दूसरी हरफ कब्जा चला आता है इसलिए करार करने का वजह यह है कि सभी पार्टीकेन का एक साथ रहने में खराब झगड़ा झमाट होता रहता है और यह

खराब भय लगा रहता है कि कहीं ये
आगे आकर किसी प्रकार का न
ले और इन सभी पार्षदों को केश
मोकदमा का भोगना न आ जाये
इसलिए इन सभी पार्षो पार्षदों ने
आपस में एक गवाही के द्वारा अपना
अपना हिस्सा बाट लेना उचित
मौखिक सलाह और यह तय कर
पर्षो के सामने रखते हुए इन सभी
5 पार्षदों अपने अपने हिस्से के मौखिक
5 आपसी बना कर बटवारा किया
आपसी वन श्री गोरख बाबू को दिया
दो आपसी वन आजाद भूषण को दिया
आपसी वन अनुपचाद को दिया दो
आपसी वन राम सेवक भूषण को दिया
आपसी वन मो० अमानत देवी को दिया
इस प्रकार पाँच आपसी बना कर
अपने अपने हिस्से के मौखिक
अपना अपना दखल कब्जा भी
प्राप्त किये अब आपसी वन है

पानीकौन व2, 3, 4, 5 को कोई ईमाका
वोसरो का बाकी नही रहा व दोक्क
वोपानीक व2 को जमीना व2 है पानीकौन
व1, 3, 4, 5 को कोई ईमाका वोसरो का
बाकी नही रहा व देगा वो पानीक
व3 जमीना व3 है पानीकौन व1, 2, 4, 5
को कोई ईमाका वोसरो का बाकी
नही रहा व देगा वो पानीक व4
जमीना व4 है पानीकौन व1, 2, 3, 5
को कोई ईमाका वोसरो का बाकी
नही है नही देगी वो पानीक व5
जमीना व5 है पानीकौन व1, 2, 3, 4
को कोई ईमाका वोसरो का बाकी
नही है नही देगी इस युका पाथी
पानीकौन अपने अपने जमीना पे काबिज
वो दखिल रहते हुये अपना अपना
धान कि दा सबका कि जमिनदारी
प्रमाण वो जहाँ जहाँ जरूरी वो
मौलिक सामने अपना अपना
मामा के अनुसार

वाद अपना दर्ज दो आकेत करा लेवेगो इसमे कोई पार्टीक को किसी पार्टिक से कोई मतलब का की नही है नही होगा

2 आगे कटवारा करने के बाद कोई भी पार्टिक किसी पार्टिक के साथ किसी तरह का दखा दावा व अधिकार करेगे तो वह दावा दावी दो अधिकार सभी न्यायालय से रद्दो वातिल समझा जावेगा तथा किसी भी अदालत मे इसका मान्य आधार समझा जावेगी तथा किसी भी अदालत मे इसका कार्यवाही सामने न देगा इस वास्ते पार्थो पार्टीक ने अपने अपनी इच्छा से यह लेखका कटवारा

3 वाद लिखा के समय कटवारा

4 आगे

दिनांक 22-9-2018

दिनांक: 22-9-2018

(दी कोल्ड स्टोर)

मकान निर्माता वाला दीवार अल्पना निर्माता भाग्य का
तौजी ४३२६ (पाना ७१८६ खेसरा ४०२२ एरारी ३८डी
ग्रामीण के ४डी गोरखपाट के इलाका में रहेगा
तौजी ४३३४ पाना ७१३४ खेसरा ४०२३ - २१ ऽडी
पाना ७ दो ए० एफ० २४ में एरारी — २१ ऽडी
दी एरारी लौट ४०२२ में — ३३ ऽडी
टोटल ७५ ऽडी

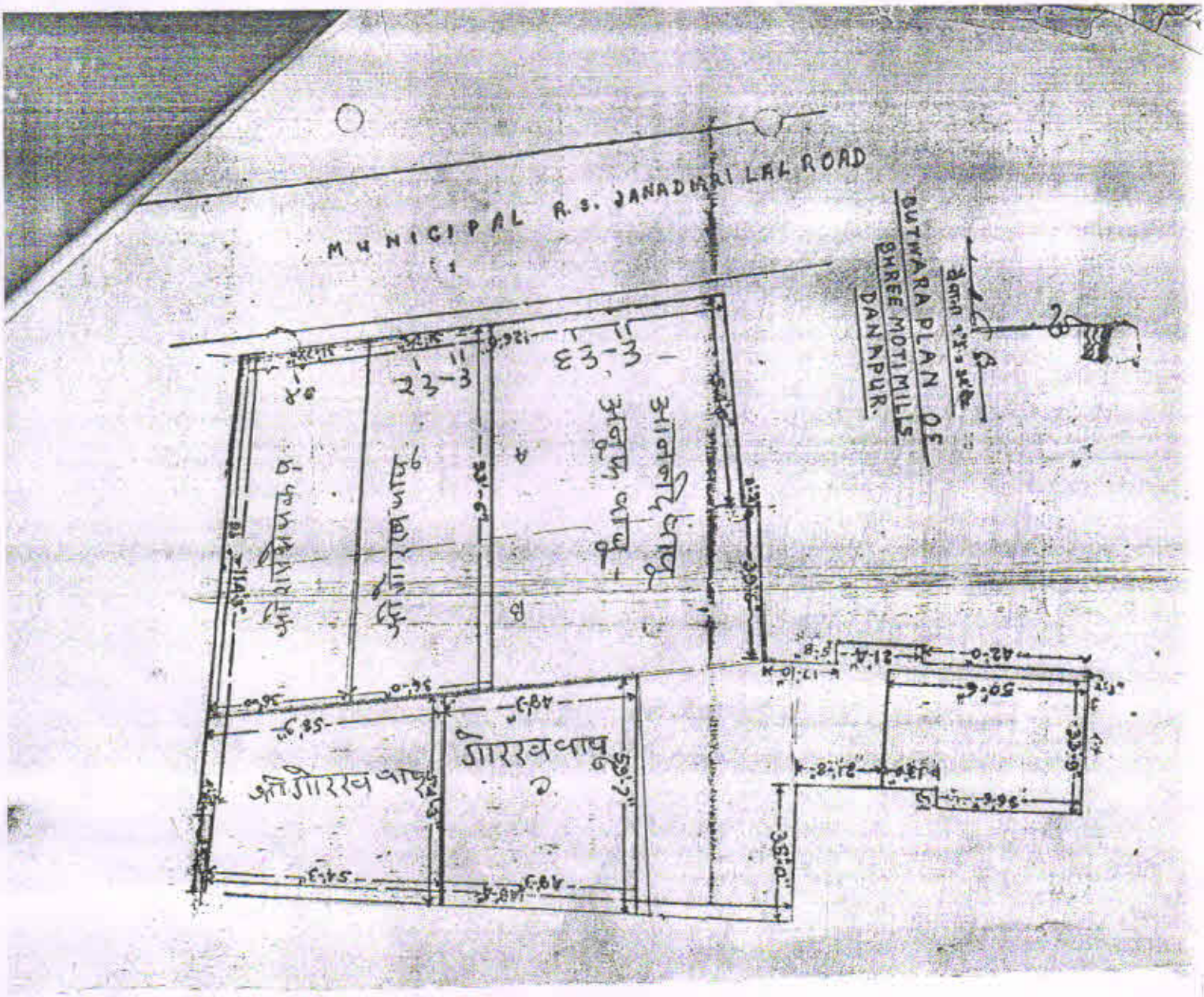
७५ ऽडी में से इत्यादिक अर्थात याचिका की ७८॥० ऽडी
पैनि उनका ऽडी या याचिका का इलाका में रहेगी
दो पार्टी याचिका श्रीमती देवी को एक जमीन के
लेन में दागाइ पर्ची ७ इंच एरारी १ऽडी लिखा दीवार
वाला अल्पना निर्माता वाला जमीन के याचिका ७५
श्रीमता देवी को कोई हक दावा दावी दो अधिकार
आज या आइन्दा कभी भी किसी तरह का उनका या
उनके दो दान को कोई हक नहीं है दो न होगा
और न ही चारो याचिका गोरख पाट दो अनुपपाट
प्रसाद दो आनन्दी प्रसाद दो राम सेवक प्रसाद का
यानि चारो याचिका को दो श्रीमता देवी को दागाइ
में १ऽडी लिखा उस पर चारो याचिका को कोई
हक नहीं है न होगा

मकान दो मिस्त्री

तारीख 22-9-2018

1 | १- श्री गौरख बाबू
2 | २- श्री राम सेवक मिश्र
3 | पर्चा ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९
4 | मिन जुमला हजारी १- ६१ डेढ़ी दो बिगहा
5 | आवद कहा तेरह धुर ९ गनते है
6 | गौरख बाबू को एक बिगहा पाकड़ के
7 | सोलह धुर दो राम सेवक जी का
8 | एक बिगहा दस कहा सोलह धुर
9 | मिला जीतते है २०५ ताड़ दोनों
10 | पार्टी का आधा-आधा देगा तीसे
11 | पेड़ का ताड़ी का आमदनी दोनो पार्टी
12 | का आधा आधा देगा

उ०	द०	५०	४०
गौरख बाबू	राम सेवक जी		


MUNICIPAL R.S. JANADHARI LAL ROAD
BUTWARA PLAN OF
SHREE MOTIMILLS
DANAPUR.
श्री गौरव पाठ
गौरव पाठ